यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

केन्द्रीय कार्यालयः यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021.
Central Office: Union Bank Bhavan, 239, Vidhan Bhavan Marg, Nariman Point, Mumbai - 400 021.

30 सितंबर, 2017 को समाप्त अर्धवार्षिकी हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम

Unaudited Financial Results for the Half Year ended on 30th September, 2017

राजकिरण राय जी.
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

3 नवम्बर, 2017

प्रिय शेयरधारक,

आप एवं आपके परिवार जनों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका नव वर्ष समृद्धिदायक हों.

1. वित्तीय परिणाम की मुख्य विशेषताएँः

आपको 30 सितम्बर, 2017 अर्ध वर्ष के परिणामों की कुछेक मुख्य विशेषताएँ बताते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है :

- वैश्विक कारोबार 30 सितम्बर, 2016 के ₹639822 करोड़ की तुलना में 8.8% की दर से बढ़कर 30 सितम्बर, 2017 को ₹695978 करोड़ हो गया. घरेलू कारोबार 30 सितम्बर, 2016 के ₹606649 करोड़ की तुलना में 8.1% की दर से बढ़कर 30 सितम्बर, 2017 को ₹656046 करोड़ हो गया.
- बैंक की कुल जमाराशियां 6.8% वृद्धि दर से 30 सितम्बर, 2016 के ₹361454 करोड़ से बढ़कर 30 सितम्बर, 2017 को ₹386025 करोड़ हो गई.
- कासा जमाराशियां 30 सितम्बर, 2016 के ₹114011 करोड़ की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को 13.7% की दर से बढ़कर ₹129588 करोड़ हो गई. कुल जमाराशियों में कासा जमाराशियों का भाग 30 सितम्बर, 2016 के 31.5% की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को बढ़कर 33.6% हो गया. बचत जमाराशियों में 18.8% की वार्षिक दर से वृद्धि हुई.
- चालु वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 27 लाख कासा खाते खोले गए, इनमें से 20 लाख खाते बचत खाते (बीएसबीडीए/ बीएसबीडीएस खातों को छोडकर) हैं.
- बैंक के वैश्विक अग्रिम 11.4% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 30 सितम्बर, 2017 को ₹309953 करोड़ हो गया, जो 30 सितम्बर, 2016 को ₹278368 करोड़ था.
- रैम (रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई) संवर्ग में 10.3% की सशक्त वृद्धि के साथ घरेलू अग्रिम 30 सितम्बर, 2016 के ₹251888 करोड़ की तुलना में 10% की वृद्धि के साथ 30 सितम्बर, 2017 को ₹277015 करोड़ हो गया.
- घरेलू शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) अर्धवार्षिक 2016-17 के 2.40% की तुलना में अर्धवार्षिक 2017-18 में 2.17% हो गया. वैश्विक एनआईएम अर्धवार्षिक 2016-17 के 2.29% की तुलना में अर्धवार्षिक 2017-18 में 2.07% रहा.
- निधियों पर आय अर्धवार्षिक 2016-17 के 7.82% की तुलना में अर्धवार्षिक 2017-18 में 6.88% रही.
- निधियों की लागत अर्धवार्षिक 2016-17 के 5.69% की तुलना में अर्धवार्षिक 2017-18 में 4.96% रही.
- शुद्ध ब्याज आय अर्धवार्षिक 2016-17 के ₹4380 करोड़ की तुलना में 4.2% की वृद्धि के साथ अर्धवार्षिक 2017-18 में ₹4564 करोड़ हो गयी.
- गैर ब्याज आय अर्धवार्षिक 2016-17 के ₹2179 करोड़ की तुलना में 20.8% की वृद्धि के साथ अर्धवार्षिक 2017-18 में ₹2632 करोड़ हो गई.
- शुद्ध हानि अर्धवार्षिक 2017-18 में ₹1414 करोड़ रही. इसमें आरबीआई की सूची -1 के अनुसार नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) को संदर्भित 11 खातों के लिये ₹1566 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान भी शामिल है. बैंक ने अतिरिक्त प्रावधान की संपूर्ण राशि पहले से ही इस तिमाही में उपलब्ध करा दी जो मार्च 2018 तक 3 तिमाहियों में करानी थी.
- आय लागत अनुपात अर्धवार्षिक 2016-17 के 47.48% की तुलना में अर्धवार्षिक 2017-18 में सुधरकर 44.47% हो गया.
- औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (वार्षिकीकृत) अर्धवार्षिक 2017-18 में -0.59% रहा. इक्विटी पर प्रतिलाभ (वार्षिकीकृत) अर्धवार्षिक 2017-18 में -16.54% रहा. प्रति शेयर आय (वार्षिकीकृत) अर्धवार्षिक 2017-18 में ₹- 40.42 रहा.

2. आस्ति गुणवत्ताः

- स्लीपेज का स्तर जून 2017 की तुलना में सितम्बर 2017 में 40% गिरकर ₹2686 करोड़ रहा.
- सकल एनपीए 30 सितम्बर, 2016 के 10.73% तथा 30 जून, 2017 के 12.63% की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को 12.35% रहा.
- शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितम्बर, 2016 के 6.39% तथा 30 जून, 2017 के 7.47% की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को 6.70% रहा.
- प्रावधान कवरेज अनुपात 30 सितम्बर, 2016 के 50.45% की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को 56.06% रहा. 30 जून, 2017 को यह 51.13% था.

3. पूँजी पर्याप्तताः

- बासल III के अंतर्गत बैंक का पूँजी पर्याप्तता अनुपात 30 सितम्बर, 2016 के 11.19% तथा न्यूनतम विनियामक अपेक्षा 10.25% की तुलना में 30 सितम्बर, 2017 को बढ़कर 11.22% रहा.
- 30 सितम्बर, 2017 को टियर-I अनुपात 8.50% है, जिसमें 6.75% की न्यूनतम विनियामक अपेक्षा की तुलना में कॉमन इक्विटी टियर-I 7.00% है.

4. डिजिटल पहलः

ग्राहक सेवा को बेहतर करने हेतु बैंक विभिन्न डिजिटल पहल करने तथा डिजिटल उत्पादों की निरंतर शुरुआत करने में अग्रणी रहा है. तिमाही के दौरान बैंक की कुछ प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार रहीं:

- यूनियन रिकवरी मोबाइल ऐप - एनपीए खातों के प्रभावी अनुश्रवण हेतु बैंक ने मोबाइल आधारित एक यूज़र फ्रेंडली एप्लिकेशन "यूनियन रिकवरी ऐप" लॉच किया है.
- यूनियन सहयोग मोबाइल ऐप - बहु कार्यात्मक विशेषताओं के साथ, सभी मोबाइल तथा वेब आधारित भुगतान के लिए सिंगल इंटरफ़ेस वाला यूनियन सहयोग एप्लिकेशन लॉच किया गया.
- मोबाइल बैंकिंग उपभोक्ताओं की संख्या में 75% वार्षिक दर से वृद्धि हुई है. पॉइंट ऑफ सेल (PoS) टर्मिनल में 74% वार्षिक दर से वृद्धि हुई है.
- क्रेडिट काड्र्स में 28% वार्षिक दर से तथा टाकिंग एटीएम में 56% वार्षिक दर से वृद्धि हुई है.
- "सम्पूर्ण संव्यवहार" का 71% संव्यवहार केवल "डिजिटल चैनल" के माध्यम से सम्पन्न किया गया.

5. वित्तीय समावेशनः

- प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत बैंक में अभी तक 73 लाख से भी अधिक खाते खोले गये हैं, जिनमें ₹1293 करोड़ की राशि जमा है.
- प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत बैंक द्वारा 30 सितम्बर, 2017 तक 48.56 लाख रुपे कार्ड जारी किए गए.
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीजे) के अंतर्गत नामांकन संख्या बढ़कर क्रमशः 30.5 लाख, 13.0 लाख एवं 2.6 लाख हो गई है.
- बैंक ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत जुलाई-सितम्बर 2017 में 46543 खातों में ₹1240 करोड़ का वित्त पोषण किया है, जिसमें हल्के व्यावसायिक वाहनों के वित्त पोषण हेतु विशेष योजना के जरिये 14484 लाभार्थियों को दी गई ₹363 करोड़ की राशि शामिल है.

6. नेटवर्कः

- 30 सितम्बर 2017 को बैंक का शाखा नेटवर्क 4 विदेशी शाखाओं हांगकांग, डीआईएफ़सी (दुबई), एंटवर्प (बेल्जियम) तथा सिडनी (आस्ट्रेलिया) को मिलाकर 4295 रहा. इसके अतिरिक्त शंघाई, बिजिंग तथा अबू धाबी में बैंक के प्रतिनिधि कार्यालय हैं. बैंक अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूके) लिमिटेड' के माध्यम से इंग्लैंड में भी अपना कारोबार कर रहा है.
- 30 सितम्बर, 2017 को बैंक के 2495 टॉकिंग एटीएम सहित कुल एटीएमों की संख्या 7674 हो गई. शाखा के सापेक्ष एटीएम का अनुपात 1.79 है.

7. पुरस्कार एवं सम्मानः

- स्कोच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड - कारोबार निरंतरता आयोजना एवं आईटी रिकवरी, आपदा प्रबंधन एवं आपदा रिकवरी, डाटा सेंटर सेक्युरिटी, नेटवर्क एक्सेस कंट्रोल (एनएसी)
- आईडीआरबीटी बैंकिंग टेक्नालॉजी अवार्ड - श्रेष्ठ उभरता बैंक
- वित्त वर्ष 2016-17 में एनपीएस कार्यनिष्पादन में पीएफ़आरडीए द्वारा अवार्ड - शाखा एक्टिवेशन के लिए श्रेष्ठ द्वितीय रैंक का पीएसयू बैंक, निजी क्षेत्र में एनपीएस निष्पादन के लिए श्रेष्ठ तृतीय रैंक का पीएसयू बैंक

ग्राहक सेवा में श्रेष्ठता लाने और बैंक के मिशन एवं विजन को पूरा करने के लिए आपसे निरंतर सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा है.

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

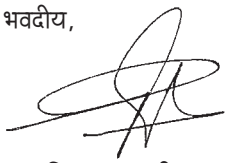

(राजकिरण राय जी.)

Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO

November 3, 2017

Dear Shareholder,

Season's Greetings to you & your family and my best wishes for a prosperous New Year ahead.

1. Highlights of Financial Results:

It is my pleasure to share with you some of the highlights of the financial results for the half year ended September 30, 2017:

- Global Business grew by 8.8 per cent to ₹695978 crore as on September 30, 2017 from ₹639822 crore as on September 30, 2016. Domestic business grew by 8.1 per cent to ₹656046 crore as on September 30, 2017 from ₹606649 crore as on September 30, 2016.
- Total deposit of the bank grew from ₹361454 crore as on September 30, 2016 to ₹386025 crore as on September 30, 2017 showing growth of 6.8 per cent.

  CASA deposits grew by 13.7 per cent to ₹129588 crore as on September 30, 2017 from ₹114011 crore as on September 30, 2016. CASA share in total deposits improved to 33.6 per cent as on September 30, 2017 compared to 31.5 per cent as on September 30, 2016. Savings Deposit registered YoY growth of 18.8 per cent.
- A total of 27 lakh CASA accounts were opened during the current Financial Year so far. Out of these 20 lakh were Savings Bank Accounts (excl. BSBDA/BSBDS accounts).
- Bank's Global Advances grew by 11.4 per cent YoY to ₹309953 crore as on September 30, 2017 from ₹278368 crore as on September 30, 2016.
- Due to encouraging growth of 10.3 per cent in RAM (Retail, Agriculture & MSME) sector, Domestic Advances increased by 10 per cent from ₹251888 crore as on September 30, 2016 to ₹277015 crore as on September 30, 2017.
- Domestic Net Interest Margin (NIM) stood at 2.17 per cent in H1 2017-18 compared to 2.40 per cent in H1 2016-17. Global NIM for H1 2017-18 stood at 2.07 per cent as against 2.29 per cent for H1 2016-17.
- Yield on funds stood at 6.88 per cent for H1 2017-18 as against 7.82 per cent for H1 2016-17.
- Cost of funds stood at 4.96 per cent for H1 2017-18 as against 5.69 per cent for H1 2016-17.
- Net-Interest Income for H1 2017-18 up by 4.2 per cent on YoY basis to ₹4564 crore from ₹4380 crore in H1 2016-17.
- Non-Interest Income for H1 2017-18 up by 20.8 per cent on YoY basis to ₹2632 crore from ₹2179 crore in H1 2016-17.
- Net loss for H1 2017-18 stood at ₹1414 crore. This includes ₹1566 crore of additional provision for 11 accounts referred to National Company Law Tribunal (NCLT), as per RBI list-1. The Bank has provided entire amount of additional provision upfront which was to be spread in 3 quarters till March 2018.
- Cost to Income ratio improved to 44.47 per cent during H1 2017-18 from 47.48 per cent during H1 2016-17.
- Return on average assets (annualised) stood at -0.59 per cent for H1 2017-18. Return on equity (annualised) stood at -16.54 per cent in H1 2017-18. Earnings per share (annualised) stood at ₹-40.42 in H1 2017-18.

2. Asset Quality

- Slippages for Q2 2017-18 was ₹2686 crore, 40% lower than the slippages in Q1 2017-18.
- Gross NPAs stood at 12.35 per cent as on September 30, 2017 as against 12.63 per cent as on June 30, 2017 and 10.73 per cent as on September 30, 2016.
- Net NPA ratio stood at 6.70 per cent as on September 30, 2017 as against 7.47 per cent as on June 30, 2017 and 6.39 per cent as on September 30, 2016.
- Provision Coverage Ratio stood at 56.06 per cent as on September 30, 2017 as against 50.45 per cent as on September 30, 2016. It was 51.13 per cent as on June 30, 2017.

3. Capital Adequacy

- Capital Adequacy ratio of the Bank under Basel III improved to 11.22 per cent as on September 30, 2017 as against 11.19 per cent as on September 30, 2016 compared to minimum regulatory requirement of 10.25 per cent.
- The Tier I ratio as of September 30, 2017 is 8.50 per cent, within which Common Equity Tier 1 ratio is 7.00 per cent compared to regulatory minimum of 6.75 per cent.

4. Digital Initiatives

The Bank has been pioneer in taking various digital initiatives and continuously launched various digital products for enhancing the customer services. Following are some of the key achievements during the quarter:

- Launch of Union Recovery mobile App – For effective monitoring of NPA accounts, a user friendly mobile based application namely "Union Recovery App" launched by the Bank.
- Launch of Union Sahyog mobile App – One app with multiple functionality features aiming to provide single interface across all mobile & web based payment channels.
- 75 per cent growth in mobile banking users on YoY basis. 74 per cent growth in number of PoS terminals on YoY basis.
- 28 per cent growth in Credit Cards and 56 per cent growth in Talking ATMs on YoY basis.
- 71 per cent share of "transactions through digital channels" in "overall transactions".

5. Financial Inclusion:

- Under the Pradhan Manrti Jan Dhan Yojana (PMJDY), the Bank has more than 73 lakh accounts having a balance of ₹1293 crore.
- 48.56 lakh Rupay Card issued under PMJDY as on September 30, 2017.
- Total enrollment under Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana (PMSBY), Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana (PMJJBY) and Atal Pension Yojana (APJ) increased to 30.5 lakh, 13.0 lakh and 2.6 lakh respectively.
- The Bank financed ₹1240 crore in 46543 accounts under Pradhan Mantri Mudra Yojana, including an amount of ₹363 crore to 14484 beneficiaries through a specific scheme for financing of light commercial vehicle during July–September 2017.

6. Network:

- The Bank has 4295 branches as of September 30, 2017 including 4 overseas branches at Hong Kong, DIFC (Dubai), Antwerp (Belgium) and Sydney (Australia). In addition, the Bank has representative offices at Shanghai, Beijing and Abu Dhabi. The Bank also operates in United Kingdom through its wholly owned subsidiary, Union Bank of India (UK) Ltd.
- Total number of ATMs stood at 7674 including 2495 talking ATMs as of September 30, 2017. ATM to branch ratio stood at 1.79.

7. Awards & Accolades

- SKOCH Order of Merit Award – Business Continuity Planning and IT Recovery, Disaster Management & Disaster Recovery, Data Centre Security, Network Access Control (NAC)
- IDRBT Banking Technology Award – Best Emerging Bank
- PFRDA award for NPS performance in 2016-17 – 2nd rank Best PSU Bank for Branch Activation, 3rd rank Best PSU Bank NPS Private Sector (All Citizen subscriber & Corporate subscriber)

I look forward to your continued support in the Bank's endevour to excel in customer service and fulfill the Bank's Mission and Vision.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Rajkiran Rai G.)

30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही/छमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम / Reviewed Financial Results for the Quarter/Half Year ended 30th September 2017

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	विवरण Particulars		समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
			पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
			30.09.2017	30.06.2017	30.09.2016	30.09.2017	30.09.2016	31.03.2017
1	अर्जित ब्याज (क+ख+ग+घ) Interest Earned (a) + (b) + (c) + (d)		822239	815304	820814	1637543	1608476	3265998
	(ए) (a)	अग्रिमों / बिलों पर ब्याज / बट्टा Interest/Discount on Advances/Bills	575425	573768	581705	1149193	1158055	2294310
	(बी) (b)	निवेशों पर आय Income on Investments	219486	214765	210428	434251	398082	869510
	(सी) (c)	भारिबैं में जमाराशियों और अन्य अंतर बैंक निधियों पर ब्याज Interest on Balances with Reserve Bank of India and other Inter Bank Funds	25876	25502	21830	51378	41627	88054
	(डी) (d)	अन्य Others	1452	1269	6851	2721	10712	14125
2	अन्य आय Other Income		121734	141465	113944	263199	217933	496460
ए. A.	**कुल आय (1+2) TOTAL INCOME (1+2)**		**943973**	**956769**	**934758**	**1900742**	**1826409**	**3762458**
3	दिया गया ब्याज Interest Expended		590166	591044	593070	1181210	1170507	2375664
4	परिचालन खर्च (ई+एफ) Operating Expenses (e) + (f)		159910	160066	159718	319976	311425	643784
	(ई) (e)	कर्मचारी लागत Employees Cost	80579	82129	87363	162708	173260	343420
	(एफ) (F)	अन्य परिचालन खर्च Other operating expenses	79331	77937	72355	157268	138165	300364
बी. B.	**कुल खर्च (3+4) (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों को छोड़कर) TOTAL EXPENDITURE (3)+(4)** (Excluding Provisions and Contingencies)		**750076**	**751110**	**752788**	**1501186**	**1481932**	**3019449**
सी. C.	**परिचालन लाभ** (प्रावधानों और आकस्मिक व्ययों के पूर्व लाभ) (ए - बी) **OPERATING PROFIT (A-B)** (Profit before Provisions & Contingencies)		**193897**	**205659**	**181970**	**399556**	**344477**	**743009**
डी. D.	**प्रावधान (कर को छोड़कर) और आकस्मिकताएं Provisions (other than tax) and Contingencies**		**355467**	**170371**	**162029**	**525838**	**297325**	**708750**
	(जिसमें से गैर-निष्पादित आस्तियों के लिए प्रावधान) (Of which provisions for Non-Performing Assets)		(346471)	(187552)	(159821)	(534023)	(294479)	(603190)
ई. E.	**असाधारण मदें Exceptional Items**		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
एफ. F.	**कर व्यय Tax Expenses**		**(8498)**	**23630**	**2274**	**15132**	**12853**	**(21262)**
जी. G.	**साधारण गतिविधियों से निवल लाभ (सी-डी-ई-एफ) Net Profit from Ordinary activitiy (C-D-E-F)**		**(153072)**	**11658**	**17667**	**(141414)**	**34299**	**55521**
एच. H.	**असाधारण मदें (दिए गए करों को घटाकर) Extraordinary items (net of tax expense)**		**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
आई. I.	**अवधि के लिए निवल लाभ / हानि (जी-एच) Net Profit/Loss for the period (G-H)**		**(153072)**	**11658**	**17667**	**(141414)**	**34299**	**55521**

30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही/छमाही हेतु पुनरीक्षित वित्तीय परिणाम / Reviewed Financial Results for the Quarter/Half Year ended 30th September 2017

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	विवरण Particulars		समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
			पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
			30.09.2017	30.06.2017	30.09.2016	30.09.2017	30.09.2016	31.03.2017
5	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी Paid-up Equity Share Capital		72643	68744	68744	72643	68744	68744
6	आरक्षित निधियाँ जिनमें पुनर्मूल्यन आरक्षित निधियाँ शामिल नहीं Reserves excluding Revaluation Reserves (पिछले लेखा वर्ष के तुलन पत्र के अनुसार) (as per Balance Sheet of previous year)		2029096	2029096	1962253	2029096	1962253	2029096
7	विश्लेषणात्मक अनुपात Analytical Ratios							
	(i)	भारत सरकार द्वारा धारित शेयरों का प्रतिशत Percentage of Shares held by Government of India	65.40	63.44	63.44	65.40	63.44	63.44
	(ii)	पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	11.22	12.01	11.19	11.22	11.19	11.79
		(ए) सीईटी 1 अनुपात (a) CET 1 Ratio	7.00	7.73	8.06	7.00	8.06	7.71
		(बी) अतिरिक्त टियर 1 अनुपात (b) Additional Tier 1 Ratio	1.50	1.51	0.50	1.50	0.50	1.31
	(iii)	बेसिक और डायल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन (वार्षिकीकृत नहीं) Basic and Diluted Earning Per Share (Not Annualised)						
		(ए) असाधारण मदों से पूर्व (a) Before Extraordinary Items	(21.87)	1.70	2.57	(20.21)	4.99	8.08
		(बी) असाधारण मदों के पश्चात् (b) After Extraordinary Items	(21.87)	1.70	2.57	(20.21)	4.99	8.08
	(iv)	(ए) सकल गैर-निष्पादित आस्तियों की राशि (a) Amount of Gross Non-Performing Assets	3828584	3728633	2986205	3828584	2986205	3371228
		(बी) निवल गैर-निष्पादित आस्तियों की राशि (b) Amount of Net Non-Performing Assets	1947939	2078497	1694789	1947939	1694789	1883210
		(सी) सकल गैर-निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत (c) % of Gross NPAs	12.35	12.63	10.73	12.35	10.73	11.17
		(डी) निवल गैर-निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत (d) % of Net NPAs	6.70	7.47	6.39	6.70	6.39	6.57
	(v)	आस्तियों पर प्रतिलाभ (वार्षिकीकृत) (औसत) (%) Return on Assets (Annualised) (Average)(%)	(1.27)	0.10	0.17	(0.59)	0.17	0.13

आस्तियों एवं देयताओं का विवरण / Statement of Assets and Liabilities			
			(₹ लाख में / ₹ in lacs)
विवरण / Particulars	As at 30.09.2017 के अनुसार (पुनरीक्षित - Reviewed)	As at 30.09.2016 के अनुसार (पुनरीक्षित - Reviewed)	As at 31.03.2017 के अनुसार (परीक्षित - Audited)
पूंजी एवं देयता / CAPITAL AND LIABILITIES			
पूंजी / Capital	72,643	68,744	68,744
प्रारक्षित एवं अधिशेष / Reserves and surplus	21,88,208	22,75,476	22,74,776
शेयर आवेदन राशि / Share Application Money	-	-	54,100
जमाराशियाँ / Deposits	3,86,02,486	3,61,45,394	3,78,39,158
उधारियां / Borrowings	57,92,179	37,54,133	41,22,587
अन्य देयताएं तथा प्रावधान / Other Liabilities and Provisions	11,02,088	9,54,847	9,11,079
कुल / Total	**4,77,57,604**	**4,31,98,594**	**4,52,70,444**
आस्तियां / ASSETS			
भारतीय रिजर्व बैंक के पास नकदी तथा शेष / Cash and Balances with Reserve Bank of India	21,43,388	15,46,579	16,52,045
बैंकों के पास शेष तथा मांग और अल्प अवधि के नोटिस पर धन / Balances with Banks and Money at Call and Short Notice	18,14,164	12,85,475	16,30,205
निवेश / Investments	1,28,41,784	1,19,03,122	1,12,14,895
अग्रिम / Advances	2,90,85,007	2,65,20,505	2,86,46,658
अचल आस्तियां / Fixed Assets	3,84,279	3,83,911	3,89,442
अन्य आस्तियां / Other Assets	14,88,982	15,59,002	17,37,199
कुल / Total	**4,77,57,604**	**4,31,98,594**	**4,52,70,444**

NOTES :-

1. 30.09.2017 को समाप्त तिमाही/अर्ध वर्ष के लिए उपरोक्त वित्तीय परिणाम उन्हीं लेखा नीतियों के अनुसार तैयार किए गए हैं जिनका अनुपालन 31.03.2017 को समाप्त पूर्व वित्तीय वर्ष में किया गया था. इनकी पुनरीक्षा बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति द्वारा की गई है और निदेशक मंडल ने 03.11.2017 को आयोजित अपनी बैठक में रिकॉर्ड में लिया है. यह बैंक के सांविधिक केंद्रीय लेखा परीक्षकों द्वारा सीमित पुनरीक्षा के अधीन भी हैं.

   The above financial results for the quarter/half year ended 30th September, 2017 arrived at by applying the same accounting policies as those followed in the preceding financial year ended 31st March 2017, have been reviewed by Audit Committee of the Board and taken on record by the Board of Directors in their meeting held on 3rd November 2017. The same has been subjected to limited review by the Statutory Central Auditors of the Bank.

2. 30.09.2017 को समाप्त तिमाही/अर्ध वर्ष के लिए वित्तीय परिणाम गैर-निष्पादक आस्तियों, मानक आस्तियों, पुनर्गठित आस्तियां, मानक डेरिवेटिव एक्स्पोजर, गैर-निष्पादक निवेशों, निवेश मूल्य-ह्रास तथा बंधकरहित विदेशी मुद्रा एक्स्पोजर वाली संस्थाओं के एक्स्पोजर हेतु प्रावधान को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी वर्तमान दिशानिर्देशों के आधार पर किए गए हैं.

   The financial results for the quarter/half year ended 30th September, 2017 have been arrived at after considering the provisions for Non-Performing Assets, Standard Assets, Restructured Assets, Standard Derivative Exposures, Non-Performing Investments, Investment Depreciation and Provision for Exposure to Entities with Un-Hedged Foreign Currency Exposure on the basis of extant guidelines issued by the Reserve Bank of India.

3. 30 सितम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही / अर्ध वर्ष के लिए कर्मचारी लाभ एवं अन्य सामान्य आवश्यक प्रावधान आयकर सहित का प्रावधान आकलन आधार पर किया गया हैं.

   Provision for employee benefits and other usual necessary provisions including income tax have been made on estimated basis for the quarter/half year ended 30th September, 2017.

4. उपलब्ध डाटा के अनुसार वित्तीय विवरणियों और उधारकर्ताओं की घोषणाओं, जहां कहीं भी प्राप्त हुई हो, के आधार पर बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक डीबीओडी परिपत्र दिनांक 15.01.2014 और 03.06.2014 के अंतर्गत अरक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर (यूएफसीई) हेतु 30 सितम्बर, 2017 को ₹ 22.35 करोड़ की दायिता आकलित की है. 30 सितम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ₹ 1.38 करोड़ वृद्धिशील देयता का प्रावधान किया गया है.

In terms of RBI DBOD circulars dtd. 15.01.2014 and 03.06.2014, based on available data, financial statements and the declaration from the borrowers wherever received, the Bank has estimated the liability of ₹22.35 crore as on 30th September, 2017 towards Unhedged Foreign Currency Exposure (UFCE) to their constituents. During the quarter ended 30th September 2017 incremental liability of ₹1.38 crore is provided.

5. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीओडी क्र.बीपी.बीसी.1/21.6.201/2015 -16 दिनांक 01.07.2015 के अनुरूप बैंक द्वारा बासल III पूंजी विनियमन के अधीन पिलर 3 प्रकटन करने की आवश्यकता है. यह जानकारी बैंक के वेबसाइट लिंक http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx.पर उपलब्ध है. ये प्रकटन सांविधिक लेखा परीक्षकों की सीमित पुनरीक्षा के अधीन नहीं हैं.

In terms of RBI circular DBOD No.BP.BC. 1/21.6.201/2015-16 dated 01.07.2015, banks are required to make Pillar 3 disclosures under Basel III capital regulations. These details are being made available on Bank's website with link: http://www.unionbankofindia.co.in/Basel_Disclosures_III.aspx. These disclosures have not been subjected to limited review by the Statutory Auditors.

6. 30 सितम्बर, 2017 को समाप्त अर्ध वर्ष के दौरान बैंक ने अपरिवर्तनीय, अरक्षित, गौण बासेल III अनुपालित पर्पेच्युल डेब्ट लिखत जारी करके ₹ 500 करोड़ अतिरिक्त टियर I पूंजी की उगाही की है.

During the half year ended 30th September, 2017, the Bank has raised Additional Tier I capital of ₹500 crore by way of issuance of Non convertible, Unsecured, Subordinated Basel III compliant Perpetual Debt Instruments.

7. वित्तीय वर्ष 2016 -17 के दौरान भारत सरकार ने अपने पत्रांक 7/38/2014-बीओए दिनांक 31 मार्च, 2017 द्वारा 541 करोड़ प्रदान किया है जिसे यथा 30 जून, 2017 शेयर आवेदन मनी, लंबित आबंटन के अंतर्गत प्रकट किया गया है. भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने पत्रांक डीबीआर.सीओ.बीपी. क्र.12999/21.01.002/2016-17 दिनांक 03 मई, 2017 के द्वारा उक्त शेयर आवेदन मनी को कॉमन इक्विटी टियर (सीईटी -1) कैपिटल पेंडिंग एलोटमेंट मानने की अनुमति प्रदान की है.

During the financial year 2016-17, the Government of India vide its letter No. 7/38/2014-BOA dated 31st March, 2017 infused ₹ 541 Crore which is disclosed under Share Application Money, pending allotment as on 30th June, 2017. The RBI vide its letter DBR.CO.BP.No.12999/21.01.002/2016-17 dated 03rd May, 2017 has allowed to treat the said Share Application Money as part of Common Equity Tier (CET-1) capital pending allotment.

भारत सरकार से पत्रांक एफ.क्र. 7/38/2014-बीओए दिनांक 04 अगस्त , 2017 द्वारा अनुमति प्राप्त होने पर बैंक ने 04 अगस्त, 2017 को भारत सरकार को अधिमानी आधार पर अंकित मूल्य ₹ 10 प्रत्येक के 3,89,88,181 इक्विटी शेयर जारी एवं आबंटित किया हैं जिसका प्रीमियम प्रति शेयर ₹128.76 है.

Upon receipt of approval from the Government of India vide letter No. F.No. 7/38/2014-BOA dated 04th August, 2017, the Bank has issued and allotted 3,89,88,181 equity shares having Face Value of ₹10/- each at a premium of ₹128.76 per share, on preferential basis, to the Government of India on 04th August, 2017.

8. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीआर क्र. बीपी. 34/21.04.132/2016 -17 दिनांक 10 नवम्बर, 2016 "दबावग्रस्त आस्तियों के लिए योजना - संशोधन" के अनुरूप बैंक ने स्ट्रेटीजिक डेब्ट रिस्ट्रूकचरिंग (एसडीआर) और सस्टेनबल स्ट्रूकचरिंग ऑफ स्ट्रेस्ड एसेट के लिए योजना (S4A) के अधीन मानक अग्रिमों के संबंध में देय तारीख से 90 दिनों के भीतर यदि ब्याज नहीं लगाने जाने पर उपचित आधार पर ब्याज को मान्यता नहीं दी है. तदनुसार, उपचय आधार पर पूर्व में पहचाने यथा 30 सितम्बर, 2017 अप्राप्त ब्याज ₹ 319.53 करोड़ (30 सितम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ₹ 73.85 करोड़) को प्रतिवर्तित कर दिया गया है.

In terms of RBI circular DBR.No.BP.34/21.04.132/2016-17 dated 10th November, 2016, "Scheme for Stressed Assets - Revisions", the Bank has not recognized interest on accrual basis if not serviced within 90 days from the due date in respect of Standard Advances under Strategic Debt Restructuring (SDR) and Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A). Accordingly, the unrealized interest of ₹319.53 Crore as on 30th September, 2017 (₹73.85 Crore for the quarter ended 30th September, 2017) recognized earlier on accrual basis has been reversed.

9. भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र डीबीआर.क्र.बीपी.बीसी.64/21.04.048/2016-17 दिनांक 18.04.2017 के अनुरूप बैंक के निदेशक मण्डल ने टेलीकॉम सेक्टर के अंतर्गत मानक अग्रिम एवं मानक रिस्ट्रूकचर्ड अग्रिम के संबंध में न्यूनतम विनियमन प्रतिशत से अतिरिक्त क्रमशः 0.20% एवं 2.50% अतिरिक्त प्रावधान अनुमोदित कर दिया है. समानतः पावर सेक्टर के अंतर्गत बैंक ने मानक अग्रिम एवं मानक रिस्ट्रूकचर्ड अग्रिम के संबंध में न्यूनतम विनियमन प्रतिशत से अतिरिक्त क्रमशः 0.10% एवं 1.25% अतिरिक्त प्रावधान अनुमोदित कर दिया है. तदनुसार, यथा 30 सितम्बर, 2017 32.66 करोड़ अतिरिक्त प्रावधान किया गया है.

In terms of RBI Circular DBR.NO.BP.BC.64/21.04.048/2016-17 dated 18.04.2017, the Board of Directors of the Bank has approved additional provision of 0.20% & 2.50%, over and above the regulatory minimum percentage, in respect of standard advances and standard restructured advances respectively under the Telecom Sector. Likewise, in respect of standard advances and standard restructured advances under Power Sector the Bank has approved additional provision of 0.10% & 1.25%, over and above the regulatory minimum percentage respectively. Accordingly, an additional provision of ₹ 32.66 Crore has been made as of 30th September 2017.

10. भारतीय रिजर्व बैंक के पत्रांक डीबीआर.क्र. बीपी:15:15199/21.04.048/2016-17 दिनांक 23 जून, 2017 द्वारा इंसॉलवेंसी एंड बैंकरप्ट्सी कोड (आईबीसी) के प्रावधानों के अधीन आवरित 11 खातों के संबंध में दिवालियापन प्रक्रिया मानदंडो का प्रावधानिकरण शुरू करने संबंधी दिशानिर्देशो के अनुसार बैंक को 1566 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान करने की आवश्यकता थीं जो कि 3 तिमाहियों में आनुपातिक रूप से स्प्रेड किया जाना है एवं जिसकी शुरुआत 2 रें तिमाही यथा सितम्बर , 2017 से की जानी है ताकि मार्च 2018 तक आवश्यक प्रावधान सुनिश्चित किया जा सकें. लेकिन बैंक के निदेशक मण्डल ने वर्तमान तिमाही में ही यथा 30 सितम्बर, 2017 ₹ 1566 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान की सम्पूर्ण राशि को अनुमोदित कर दिया है.

As per RBI directions for initiating Insolvency Process-Provisioning Norms vide letter No. DBR.NO. BP:15:15199/21.04.048/2016-17 dated 23rd June 2017, in respect of 11 accounts covered under provisions of Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the Bank was required to make additional provision of ₹ 1566 Crore to be proportionately spread over 3 quarters starting from 2nd quarter i.e. September 2017 so that the required provisions are fully in place by March 2018. However, the Board of Directors of the Bank has approved the entire amount of additional provision of ₹ 1566 Crore in the current quarter itself i.e. 30th September, 2017.

11. तिमाही के दौरान बैंक ने ₹ 3.05 करोड़ दंड का भुगतान किया जो कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अग्रिमों के अनुश्रवण के अभाव एवं आरबीआई मास्टर परिपत्र "अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) / धन शोधन निवारक मानदंडों" (एएलएम) में निहित दिशानिर्देशों का अनुपालन ना करने के कारण लगाया गया था.

During the quarter the Bank has paid an amount of ₹ 3.05 Crore as penalty imposed by the Reserve Bank of India on account of lack of increased monitoring of advances, non-adherence to the RBI instructions contained in RBI Master Circular on Know Your Customer (KYC)/Anti-Money Laundering Standards (ALM).

12. 30 सितम्बर 2017 के अनुसार बैंक का प्रावधान कवरेज अनुपात 56.06% है.

Provision coverage ratio of the Bank as at 30th September, 2017 is 56.06%.

13. 30 सितम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के लिए निवेशकों की शिकायतों की स्थितिः

Position of investor complaints for the quarter ended 30th September 2017:

क्र.सं. Sr. No.	विवरण / Particulars	शिकायतों की संख्या No. of complaints
i	01 जूलाई, 2017 को लंबित Pending as on 01st July, 2017	0
ii	तिमाही के दौरान प्राप्त Received during the quarter	55
iii	तिमाही के दौरान सुलझायी गई Resolved during the quarter	55
iv	30 सितम्बर , 2017 को लंबित Pending as on 30th September, 2017	0

14. पूर्व अवधि के आंकड़ों को यथा आवश्यक पुनः व्यवस्थित /पुनः वर्गीकृत /पुनः समूहीकृत किया गया है.

Figures of previous period have been rearranged/reclassified/regrouped wherever necessary.

30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही / अर्ध वर्ष के लिए क्षेत्रवार रिपोर्टिंग
Segment Report For The Quarter / Half Year Ended 30.09.2017

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	व्यवसाय क्षेत्र Business Segment	समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
		30.09.2017	30.06.2017	30.09.2016	30.09.2017	30.09.2016	31.03.2017
(क) (a)	**क्षेत्र का राजस्व / Segment Revenue**						
1	ट्रेजरी परिचालन / Treasury Operations	312085	326563	301977	638648	570206	1250854
2	खुदरा बैंकिंग परिचालन / Retail Banking Operations	262151	262457	245366	524608	494851	1029319
3	कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग परिचालन Corporate /Wholesale Banking	359407	361220	382128	720627	751454	1458686
4	अन्य बैंकिंग परिचालन / Other Banking Operations	14697	10618	7870	25315	14842	33431
5	अविनियोजित / Unallocated	-	-	-	-	-	-
	कुल क्षेत्रवार राजस्व / Total Segment Revenue	**948339**	**960858**	**937341**	**1909197**	**1831353**	**3772291**
	घटाएँः अंतर-क्षेत्र राजस्व / Less Inter-segment Revenue	4366	4089	2584	8455	4945	9833
	कुल राजस्व / Income from operations	**943973**	**956769**	**934757**	**1900742**	**1826408**	**3762458**

(रु. लाख में / ₹ in Lacs)

क्र. सं. Sr. No.	व्यवसाय क्षेत्र Business Segment	समाप्त तिमाही QUARTER ENDED			समाप्त छमाही HALF YEAR ENDED		समाप्त वर्ष YEAR ENDED
		पुनरीक्षित (Reviewed)			पुनरीक्षित (Reviewed)		लेखापरीक्षित (Audited)
		30.09.2017	30.06.2017	30.09.2016	30.09.2017	30.09.2016	31.03.2017
(ख) (b)	**क्षेत्र के परिणाम / Segment Results**						
1	ट्रेजरी परिचालन / Treasury Operations	83590	118326	94035	201916	180035	341800
2	खुदरा बैंकिंग परिचालन / Retail Banking Operations	8262	7778	13219	16040	32152	67902
3	कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग परिचालन Corporate /Wholesale Banking	(261511)	(96784)	(91586)	(358295)	(172830)	(393355)
4	अन्य बैंकिंग परिचालन / Other Banking Operations	8089	5968	4272	14057	7794	17913
5	अविनियोजित / Unallocated	-	-	-	-	-	-
	कर पूर्व कुल लाभ / Total Profit Before Tax	**(161570)**	**35288**	**19940**	**(126282)**	**47151**	**34260**
(ग) (c)	**विनियोजित पूंजी (यथा क्षेत्रवार आस्तियां - क्षेत्रवार देयताएं) / Capital Employed (i.e. Segment Assets-Segment Liabilities)**						
1	ट्रेजरी परिचालन / Treasury Operations	826250	860488	801388	826250	801388	715509
2	खुदरा बैंकिंग परिचालन / Retail Banking Operations	529964	489458	447096	529964	447096	406402
3	कॉर्पोरेट / थोक बैंकिंग परिचालन Corporate/Wholesale Banking	736994	890094	813657	736994	813657	789546
4	अन्य बैंकिंग परिचालन / Other Banking Operations	-	-	-	-	-	-
5	अविनियोजित / Unallocated	167643	167394	247779	167643	247779	486163
	कुल / Total	**2260851**	**2407434**	**2309920**	**2260851**	**2309920**	**2397620**

1 बैंक चार खंडों अर्थात ट्रेजरी, रिटेल, कॉर्पोरेट/होलसेल और अन्य बैंकिंग खंडों परिचालनों में परिचालन करता है. इनको उत्पादों तथा सेवाओं की प्रकृति तथा जोखिम स्वरूप लक्षित ग्राहक के स्वरूप, संगठनात्मक संरचना और बैंक की आंतरिक रिपोर्टिंग प्रणाली पर विचार करके खंडवार रिपोर्टिंग पर एएस-17 के अनुसार चुना गया है. बैंक ने व्यवसाय क्षेत्र का प्रकटीकरण प्राथमिक क्षेत्र के रूप में किया है. इस अवधि के लिए, विदेशी शाखा के एएस-17 में उल्लिखित राजस्व तथा अन्य मानक एएस-17 के अंतर्गत निर्धारित सीमा के अंदर है, इसीलिए बैंक का रिपोर्ट लायक केवल एक भौगोलिक खंड है.

The Bank operates in four segments viz., Treasury, Retail, Corporate / Wholesale and Other Banking Operations. These segments have been identified in line with AS-17 on Segment Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) after considering the nature and risk profile of the products and services, the target customer profiles, the organizational structure and the internal reporting system of the bank. The bank has disclosed the business segment as primary segment. The revenue and other parameters of foreign branches for the period are within the threshold limits stipulated as per AS-17 and hence the bank has only one reportable geographical segment.

2 खंडवार आय, व्यय, विनियोजित पूंजी, जो सीधे आबंटनीय नहीं है, उन्हें प्रबंधन द्वारा उचित अनुमान के आधार पर रिपोर्ट योग्य खंडों में आबंटित किया गया है.

Segment wise income, expenditure, Capital employed which are not directly allocable have been allocated to the reportable segments based on assumptions as considered appropriate by the management.

3 जहां भी आवश्यक है, मौजूदा छमाही/तिमाही वार्षिक के वर्गीकरण/प्रस्तुतिकरण के साथ समकक्ष पूर्व वर्ष की छमाही/तिमाही के आंकड़ों को पुनः वर्गीकृत/पुनः समूहित किया गया है.

Previous Quarter's/Half Year's/Year's figures have been regrouped/recasted wherever considered necessary to correspond with the current Quarter's/Half Year's/Year's classification/ presentation.

(अतुल कुमार गोयल)
कार्यपालक निदेशक
(Atul Kumar Goel)
Executive Director

(राज कमल वर्मा)
कार्यपालक निदेशक
(Raj Kamal Verma)
Executive Director

(विनोद कथूरिया)
कार्यपालक निदेशक
(Vinod Kathuria)
Executive Director

(राजकिरण राय जी)
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
(Rajkiran Rai G.)
Managing Director & CEO

(केवल हांडा)
अध्यक्ष
(Kewal Handa)
Chairman

हरित पहल - शेयरधारकों से अपील

नोटिस / वार्षिक रिपोर्टों तथा
अन्य पत्राचार ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करना.

डिमेट खातों में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपना ई-मेल आई-डी अपने डिपोजिटरी पार्टिसिपेंट के पास दर्ज करवायें जिसके पास उनका डिमेंट खाता है

भौतिक रुप से शेयर रखने वाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि -

वे अपनी सहमति इस पत्र के नीचे दिये गये भाग को भरकर तथा उस पर हस्ताक्षर करके उसे हमारे रजिस्ट्रार के पास नीचे लिखे पते पर भिजवा दें:

मे डाटामैटिक्स बिज़नेंस सोल्यूशन लि.
प्लॉट नं.बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल
अंधेरी (पूर्व) मुंबई - 400 093
टेली : 022-66712001-6
ईमेल : ubiinvestors@datamaticsbpm.com

GREEN INITIATIVE - APPEAL TO SHAREHOLDERS

TO GET NOTICES / ANNUAL REPORTS &
OTHER COMMUNICATION THROUGH E-MAIL

Shareholders holding Shares in Demat Accounts are requested to : Register an email ID with Depository Participant where they maintain Demat Account.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to:

send their consent by filling up and signing the perforated portion of this communication to our Registrar at their address given hereunder:

M/s Datamatics Business Solutions Ltd.
Plot No. B-5, Part B, Cross Lane, MIDC, Marol,
Andheri (East), Mumbai - 400 093
Tel No. : 022-66712001-6
E-mail ID: ubiinvestors@datamaticsbpm.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हरित पहल

दिनांक :

मे डाटामैटिक्स बिज़नेंस सोल्यूशन लि.
प्लॉट नं.बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल
अंधेरी (पूर्व) मुम्बई - 400 093
टेली : 022-66712001-6
फैक्स : 022-66712011
ईमेल : ubiinvestors@datamaticsbpm.com

प्रिय महोदय,

मैं/हम _____ यूनियन बैंक ऑफ इंडिया कार्पोरेट गवर्नेंस के पर्यावरण सुरक्षा (हरित परिवेश) उपायों के एक प्रयास के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से सभी संदेश अपने नीचे दिये गए ई-मेल आईडी के माध्यम से प्राप्त करना चाहता हूं / चाहते हैं. मेरे / हमारे पास बैंक के _____ शेयर भौतिक रूप में हैं.

फोलियो नम्बर _____
ई-मेल आईडी _____@_____
मैं / हम इस आशय से वचन देता हूं / देते है कि मेरे / हमारे ई-मेल के माध्यम से प्राप्त संदेश को सही, विधिक तथा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा हमें भेजे गये दस्तावेजों की समुचित एवं पर्याप्त सुपुर्दगी माना जाएगा. मैं / हम यह भी वचन देता हूं / देते हैं कि यदि किसी तकनीकी / अन्य कारणों से मेरा / हमारा ई-मेल हमें सही रूप में प्राप्त न होने के कारण संदेश प्राप्त नहीं हो पाता है तो हम यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इसके किसी कर्मचारी, रजिस्ट्रार अथवा इसके कर्मचारियों को उत्तरदायी नहीं ठहरायेंगे.

_____
प्रथम/एकल शेयरधारक के हस्ताक्षर

GREEN INITIATIVE OF UNION BANK OF INDIA

Date:

M/s Datamatics Business Solutions Ltd.
Plot No.B-5, Part B, Cross lane, MIDC, Marol
Andheri (East), Mumbai - 400 093
Tel No: 022-66712001-6
Fax No.:022-66712011
E-mail ID: **ubiinvestors@datamaticsbpm.com**

Dear Sir,

I/We _____ holding _____ shares of Union Bank of India in physical form, intend to receive all communication from Union Bank of India through our email ID given hereunder, as a part of Green Initiative under Corporate Governance of Union Bank of India.

Folio Number:_____
Email ID _____@_____
I/We also undertake that the communication received through my/our email id will be treated as proper, legal and sufficient delivery of documents sent to us by Union Bank of India. I/We further undertake that we would not hold Union Bank of India, any of its employees, Registrar or its employees, responsible in case of communication is not properly received at my/our email ID due to any technical/other failures.

_____
Signature of the First/Sole Shareholder

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

केन्द्रीय कार्यालय : यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400 021.

लाभांश अधिदेश फॉर्म

(यदि शेयर भौतिक रूप में हैं तो पंजीयक को प्रस्तुत करें और यदि शेयर डिमैट / इलेक्ट्रोनिक रूप में है तो डिपाजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) को प्रस्तुत करें).

प्रिय महोदय,

विषय: बैंक खाता विवरण अद्यतन करने हेतु अनुदेश

1.	प्रथम / एकल शेयरधारक का नाम	
2.	फोलिओ क्र. (यदि शेयर डिमैटीरिलाइज्ड नहीं किए गए हैं)	
3.	डीपीआईडी/क्लाइंट आईडी (यदि शेयर डिमैटीरिलाइज्ड किए गए हैं)	
4.	बैंक खाते का विवरण	
4.1	बैंक का नाम	
4.2	शहर के पिन कोड सहित शाखा का नाम एवं पता	
4.3	पूर्ण अंकों सहित खाता क्र. (चेक बुक पर दर्शाये गए अनुसार)	
4.4	खाते का प्रकार (एसबी / सीडी / सीसी)	
4.5	आईएफएससी (चेक बुक पर दर्शाये गए अनुसार)	
4.6	एमआईसीआर कूट क्र. (9 अंक) (चेक बुक पर दर्शाये गए अनुसार)	

कृपया आपके बैंक द्वारा जारी अपने खाते से संबंधित एक चेक /रिक्त निरस्त चेक की एक फोटोप्रति इसके साथ संलग्न करें ताकि ब्यौरे का सत्यापन हो सकें.

घोषणा

मैं एतद्वारा घोषणा करता / करती हूँ कि ऊपर दिया गया विवरण सही एवं पूर्ण है. यदि अपूर्ण अथवा गलत जानकारी के कारण संव्यवहार में विलंब होता है अथवा संव्यवहार नहीं होता है तो मैं उपयोगकर्ता संस्था को उत्तरदायी नहीं ठहराऊँगा. मैं समझता / समझती हूँ कि इलेक्ट्रानिक साधनों के जरिये लाभांश भुगतान को प्रभावित करने वाली किसी ऐसी अप्रत्याशित स्थिति, जो बैंक के नियंत्रण के बाहर हो, के कारण बैंक मुझे देय लाभांश को भौतिक रूप में भेजने का अधिकार सुरक्षित रखता है.

भवदीय,

(_____)

प्रथम/एकल शेयरधारक के हस्ताक्षर

स्थान :
दिनांक:

पंजीयक का पता :
मे डाटामैटिक्स बिज़नेंस सोल्यूशन लि.
यूनिट : यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्लॉट नं. बी-5, पार्ट बी, क्रॉस लेन, एमआईडीसी, मरोल,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400 093.
टेली : 022-66712001-6
फैक्स : 022-66712011
ई मेल : ubiinvestors@datamaticsbpm.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
अच्छे लोग, अच्छा बैंक

Union Bank of India
Good people to bank with

Central Office: Union Bank Bhavan, 239, Vidhan Bhavan Marg, Nariman Point, Mumbai - 400 021.

Dividend Mandate Form

{To be submitted to Registrar if shares are in physical form and to the Depository Participant (DP) if shares are in demat/electronic form}..

Dear Sirs,

Subject: Instruction to update the Bank Account Details

1.	First/Sole Shareholder's Name	
2.	Folio No. (If shares are not dematerialized)	
3.	DPID / Client ID (If shares are dematerialized)	
4.	Particulars of Bank Account	
4.1	Bank Name	
4.2	Branch Name & Address with City PIN Code	
4.3	Complete Account No. (as appearing on the Cheque Book)	
4.4	Account Type (Saving/Current/Cash Credit)	
4.5	IFSC (as appearing on the Cheque Book)	
4.6	MICR Code (9 digit) (as appearing on the Cheque Book)	

Please attach a photocopy of cheque leaf / blank cancelled cheque issued by your bank relating to your account for verifying the details.

DECLARATION

I, hereby, declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not effected at all for reasons of incomplete or incorrect information, I would not hold the user institution responsible. I understand that the bank also reserves the right to send the dividend payable to me by a physical warrant on account of any unforeseen circumstances beyond the control of the Bank, that may affect the payment of dividend through electronic means.

Yours Faithfully,

(_____)
Signature of the First/Sole Shareholder

Place :
Date :

Address of the Registrar:
Datamatics Business Solutions Ltd.
Unit : Union Bank of India
Plot No. B-5, Part B,Crosslane,
MIDC, Marol, Andheri (East),
Mumbai-400 093.
Tel. No.:022-66712001-6
Fax No.:022-66712011
E-mail Id:ubiinvestors@datamaticsbpm.com

डिमैट के लाभ / Benefits of Demat

हमारा सुझाव है कि शेयरधारकों द्वारा अपने भौतिक शेयरों को डिमैट में अंतरित कर लेना चाहिए क्योंकि इससे उनके खाते में लाभांश का समय से भुगतान होने के अतिरिक्त निम्नलिखित अन्य लाभ हैं -

ए. डिपोजीटरी पार्टीसीपेंट (डीपी) को एक आवेदन देकर सभी कंपनियों में पते में परिवर्तन, मुख्तारनामे का पंजीकरण कराया जा सकता है.

बी. सभी सूचीबद्ध शेयरों में व्यापार के लिए डिमैट पद्धति से निपटान को सेबी ने अनिवार्य कर दिया है. यद्यपि, 500 शेयरों तक का व्यापार भौतिक रूप में किया जा सकता है, हस्ताक्षरों का मिलान न होने के कारण गलत सुपुर्दगी, हस्ताक्षरों में जालसाजी, फर्जी प्रमाणपत्रों आदि के डर से भौतिक निपटान वास्तव में नहीं किए जा रहे हैं.

सी. भौतिक रूप से प्रतिभूतियों को रखने की तुलना में इस तरह से प्रतिभूतियों को रखना सुरक्षित एवं सुविधाजनक है.

डी. डिमैट रूप में धारित प्रतिभूतियों के अंतरण पर कोई स्टैम्प शुल्क नहीं लगाया जाता है.

ई. प्रतिभूतियों के तुरंत अंतरण से तरलता में वृद्धि होती है.

एफ. यह विलंब,चोरी, अवरोध एवं इसके उपरांत प्रमाणपत्र के दुरुपयोग को कम करता है.

जी. संव्यवहार के उद्देश्य से एक शेयर का बाजार लॉट अतः विषम लॉट की कोई समस्या नहीं.

एच. एक सुपुर्दगी अनुदेश से किसी भी संख्या में प्रतिभूतियों को अंतरित/सुपुर्द किया जा सकता है. अतः कागजी कार्रवाई तथा बहु अंतरण फॉर्मों पर हस्ताक्षर नहीं करना पड़ता है.

आई. इससे प्रतिभूतियों के पेटे ऋण/अग्रिम लेने में सुविधा होती है.

जे. बोनस, राइट्स निर्गम तथा आईपीओ जैसे गैर-कॉर्पोरेट नकदी कार्रवाई में किसी आबंटन के मामले में तुरंत जमा.

खाता कैसे खोला जा सकता है?

सर्वप्रथम निवेशक द्वारा किसी डीपी से संपर्क करके खाता खोलने का फॉर्म भरा जाएगा. खाता खोलने के फॉर्म के साथ ऐसे किसी भी अनुमोदित दस्तावेज़ की प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए जो सेबी द्वारा पहचान के सबूत एवं पते के सबूत के तौर पर मान्य की गयी हों. इनके अलावा 01 अप्रैल, 2006 से खाता खोलते समय मूल पैन कार्ड दिखाया जाना आवश्यक है.

सभी आवेदकों द्वारा मूल दस्तावेजों पर अपने हस्ताक्षर करके डीपी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सत्यापन हेतु अपने साथ ले जाया जाना चाहिए.

निवेशक डिपोजीटरी हेतु निर्धारित मानक प्रारूप में डीपी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर करेगा जिसमें निवेशक तथा डीपी के अधिकारों एवं कर्तव्यों का विवरण दिया जाता है. डीपी द्वारा भावी संदर्भ के लिए निवेशक को करार एवं प्रभारों की अनुसूची की एक प्रति प्रदान की जाएगी. डीपी द्वारा सिस्टम में खाता खोलकर एक विशिष्ट खाता क्रमांक दिया जाएगा जिसे बीओ आईडी (हितार्थ स्वामी पहचान क्रमांक) भी कहा जाता है तथा सभी भावी संव्यवहारों के लिए उपयोग किया जाता है.

अपने भौतिक धारण को इलेक्ट्रोनिक धारण अर्थात प्रतिभूतियों को अमूर्त प्रतिभूतियों में कैसे परिवर्तित किया जा सकता है?

मूर्त प्रतिभूतियों को अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तित करने के लिए डीपी के पास उपलब्ध एक डीआरएफ़ (डिमैट अनुरोध फॉर्म) भर कर इसे अमूर्त प्रतिभूतियों में परिवर्तित किए जाने वाले भौतिक प्रमाणपत्रों के साथ प्रस्तुत किया जाता है. प्रत्येक आईएसआईएन के लिए अलग डीआरएफ़ भरा जाना आवश्यक है. अमूर्त रूप में परिवर्तित करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया नीचे दी गयी हैः

- अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तन हेतु प्रमाणपत्र अपने डीपी को सुपुर्द करें.
- डीपी द्वारा सिस्टम के माध्यम से डिपोजीटरी को अनुरोध के विषय में सूचित किया जाता है.
- डीपी द्वारा जारीकर्ता कंपनी के पंजीयक को प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाते हैं.
- पंजीयक द्वारा अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तन हेतु डिपोजीटरी से प्राप्त अनुरोध की पुष्टि की जाती है.
- प्रमाणपत्रों को अमूर्त प्रतिभूति में परिवर्तित करने के बाद, पंजीयक द्वारा खातों को अद्यतन करके इसके पूरे होने की सूचना डिपोजीटरी को दी जाती है.
- डिपोजीटरी द्वारा खातों को अद्यतन करके इसका डीपी सूचित किया जाएगा.
- डीपी द्वारा निवेशक का डिमैट खाता क्रमांक अद्यतन किया जाएगा.

यूनियन डिमैट

यूनियन बैंक द्वारा सेवोन्मुखी सेवा-यूनियन डिमैट प्रदान की जाती है. यूनियन बैंक सेंट्रल डिपोजीटरी सर्विसेज लिमिटेड का एक डिपोजीटरी प्रतिभागी है. अधिक जानकारी के लिए कृपया नीचे दिये गए लिंक पर जाएँ -

http://www.unionbankofindia.co.in/personal_insurance_dematoverview.aspx

हमारे बैंक में डिमैट खाता खोलने के लिए आप हमारी निकटतम शाखा से भी संपर्क कर सकते हैं अथवा demat@unionbankofindia.com पर ई-मेल भी कर सकते हैं.

We suggest that Shareholders should transfer their physical shares in Demat since it ensures timely payment of dividend in their account along with following additional benefits -

a. Change of address, registration of Power of Attorney – can be effected across companies by one single instruction to the Depository Participant (DP).

b. SEBI has made it compulsory for trades in all listed scrips to be settled in demat mode. Although, trades up to 500 shares can be settled in physical form, physical settlement is virtually not taking place for the apprehension of bad delivery on account of mismatch of signatures, forgery of signatures, fake certificates etc.

c. It is a safe and convenient way to hold securities compared to holding securities in physical form.

d. No stamp duty is levied on transfer of securities held in demat form.

e. Instantaneous transfer of securities enhances liquidity.

f. It eliminates delays, thefts, interceptions and subsequent misuse of certificates.

g. Market lot of one share for the purpose of transactions - so no odd lot problem.

h. Any number of securities can be transferred / delivered with one delivery instruction. Therefore, paperwork and signing of multiple transfer forms is done away with.

i. It facilitates taking loans / advances against securities.

j. Immediate credits in case of any allotment in Non-cash corporate actions such as bonus, rights issues and IPOs.

How can one open an account?

First an investor has to approach a DP and fill up an account opening form. The account opening form must be supported by copies of any one of the approved documents which serve as proof of identity (POI) and proof of address (POA) as specified by SEBI. Apart from these PAN card has to be shown in original at the time of account opening from April 01, 2006.

All applicants should carry original documents for verification by an authorized official of the DP, under his signature.

Investor has to sign an agreement with DP in a depository prescribed standard format, which gives details of rights and duties of investor and DP. DP should provide the investor with a copy of the agreement and schedule of charges for their future reference. The DP will open the account in the system and give a unique account number, which is also called BO ID (Beneficial Owner Identification number) and used for all future transactions.

How can one convert physical holding into electronic holding i.e. how can one dematerialise securities?

In order to dematerialise physical securities one has to fill in a DRF (Demat Request Form) which is available with the DP and submit the same along with physical certificates that are to be dematerialised. Separate DRF has to be filled for each ISIN. The complete process of dematerialisation is outlined below:

- Surrender certificates for dematerialisation to your DP.
- DP intimates to the Depository regarding the request through the system.
- DP submits the certificates to the registrar of the Issuer Company.
- Registrar confirms the dematerialisation request from depository.
- After dematerialising the certificates, Registrar updates accounts and informs depository regarding completion of dematerialisation.
- Depository updates its accounts and informs the DP.
- DP updates the demat account of the investor.

UNION DEMAT

Union Bank of India offers service-oriented Demat account - Union Demat. Union Bank is a Depository participant of Central Depository Services Ltd. For further details, please visit the below link –

http://www.unionbankofindia.co.in/personal_insurance_dematoverview.aspx

You can also contact our Bank's nearest Branch or E-mail demat@unionbankofindia.com for opening of Demat Account with our Bank.

बुक - पोस्ट
BOOK – POST

सुपुर्द न होने पर कृपया लौटाएंः
मेसर्स डाटामैटिक्स बिज़नेस सोल्यूशन लि.
यूनिटः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्लॉट क्र. बी-5, पार्ट-बी,
क्रॉस लेन, एमआईडीसी,
अंधेरी (पूर्व)
मुंबई -400093

If undelivered please return to:
M/s. Datamatics Business Solutions Ltd.
Unit: Union Bank of India
Plot No. B-5, Part B,
Crosslane, MIDC
Andheri (East),
Mumbai-400 093.